वन विज्ञान केंद्र, झारखण्ड के तहत वन उत्पादकता संस्थान रांची, द्वारा "बांस हस्तशिल्प कला" विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन

वन उत्पादकता संस्थान रांची द्वारा वन विज्ञान केंद्र, के अंतर्गत "बांस हस्तशिल्प कला" विषय पर १६ मार्च, २०१७ से १७ मार्च, २०१७ तक दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया| उपरोक्त प्रशिक्षण में झारखण्ड राज्य के रांची जिले के किसान/ ग्रामीणों नें भाग लिया|

संस्थान के निदेशक डा०शमीम अख्तर अंसारी द्वारा प्रशिक्षण में आये किसानों को बांस की विभिन्न प्रजाति, एवं बांस की उपयोगिता पर विशेष जानकारी दी गई| डा० अंसारी ने अपने व्याख्यान में प्रशिक्षुओं को एक समिति बनाकर कार्य करने की सलाह दी|

श्री रविशंकर प्रसाद,अनुसंधान पदाधिकारी-| ने बांस की खेती, एवं उपयोग के बारे में जानकारी दी| श्री एस० एन० वैद्य, ने ग्रामीणों को फ्लेमिनजिया सेमियालता पर लाख उत्पादन एव लाख की खेती के बारे में अवगत कराया|

उपरोक्त प्रशिक्षण में विशेषरूप से महिलाओं की भागीदारी सराहनीय रही| प्रशिक्षण में वन उत्पादकता संस्थान रांची द्वारा क्षेत्र में बांस हस्त शिल्प पर कार्य करने वाले शिल्प कलाकारों को आमंत्रित किया गया था| इन शिल्प कलाकारों ने प्रशिक्षण में आये ग्रामीणों/किसानों को बांस हस्त शिल्प कला के वारे में जानकारी दी तथा विभिन्न प्रकार के हस्त शिल्प बनानें का प्रदर्शन करके दिखाया|

प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री निसार आलम,श्री बसंत कुमार ने सक्रिय रूप से अपना योगदान दिया|

Example of se
important spe

फ्लेमेंजिया सेमियालता के रोपित पौध के
साथ अन्य फसल खेती का स्वरूप

फ्लेमिनजिया सेमियालता पर लाख के
दुश्मन कीट (क्रैशोपा) का प्रकोप